



प्रीलमिस फैक्ट्स: 30 जून, 2020

- [सांस्कृतिक सद्भाव मंडप](#)
- [गगनयान](#)
- [प्लेसबो](#)
- [मशिन सागर](#)

सांस्कृतिक सद्भाव मंडप Sanskritik Sadbhav Mandap

29 जून, 2020 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (Union Minister of Minority Affairs) ने उत्तर प्रदेश के रामपुर में बहुउद्देशीय 'सांस्कृतिक सद्भाव मंडप' (Sanskritik Sadbhav Mandap) का शिलान्यास किया।

प्रमुख बंदि:

- यह 'सांस्कृतिक सद्भाव मंडप' प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (Pradhan Mantri Jan Vikas Karykram- PMJVK) के तहत 92 करोड़ रूपए की लागत से बनाया जाएगा।
- इस 'सांस्कृतिक सद्भाव मंडप' में कौशल विकास के लिये ट्रेनिंग, वभिनिन आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ, कोचिंग, COVID-19 जैसी आपदा में लोगों को राहत देने की व्यवस्था एवं खेल-कूद की गतिविधियाँ आयोजित की जा सकेंगी।

[प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम](#)

(Pradhan Mantri Jan Vikas Karykram- PMJVK):

अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षणिक सशक्तीकरण एवं रोजगार उन्मुख कौशल विकास को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (Multi-sectoral Development Programme-MsDP) का नाम बदलकर प्रधान मंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) के रूप में इसका पुनर्गठन किया है।

उद्देश्य:

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये स्कूल, कॉलेज, पॉलिटेक्निक, लड़कियों के लिये छात्रावास, आईटीआई, कौशल विकास केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास करना है।
- PMJVK के तहत 80% संसाधनों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास से संबंधित परियोजनाओं के लिये रखा गया है। इसके तहत करीब 33 से 40% संसाधन विशेष तौर पर महिला केंद्रित परियोजनाओं को आवंटित किये गए हैं।
- उल्लेखनीय है कि बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम (MsDP) को भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय द्वारा वर्ष 2008-09 में लॉन्च किया गया था।

गगनयान

Gaganyaan

केंद्रीय परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष मंत्री (Union Minister for Atomic Energy and Space) ने 29 जून, 2020 को बताया कि COVID-19 महामारी

के कारण भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मशन 'गगनयान' (Gaganyaan) का प्रक्षेपण प्रभावित नहीं होगा।

प्रमुख बट्टि:

- गगनयान की घोषणा भारत के प्रधानमंत्री द्वारा अगस्त, 2018 में की गई थी।
- इस मशन को वर्ष 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तथा इस मशन की लागत लगभग 1000 करोड़ रुपए है।
- इस मशन के तहत अंतरिक्ष यान को 300-400 किलोमीटर की नमिन पृथ्वी कक्षा (Low Earth Orbit) में स्थापित किया जाएगा। जहाँ 3-7 क्यू सदस्य अंतरिक्ष में 3-7 दिन बिताने।

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (INSPACE):

- केंद्रीय परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष मंत्री ने बताया कि इसरो (ISRO) की गतिविधियों में नज्जी भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिये 'भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन एवं प्राधिकरण केंद्र' (Indian National Space Promotion & Authorization Centre- INSPACE) नामक एक नियामक संस्था की स्थापना की जानी है।
- यह नियामक संस्था नज्जी कंपनियों को एक समान अवसर प्रदान करने एवं उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद करेगी।

प्लेसबो

Placebo

प्लेसबो (Placebo) एक ऐसा पदार्थ है जो दवाओं से मलिता-जुलता है कति उसमें सक्रिय दवा (Active Drug) नहीं होती है।

प्रमुख बट्टि:

- एक प्लेसबो (Placebo) वास्तव में एक वास्तविक दवा की तरह दिखता है कति यह एक नष्क्रिय पदार्थ (सुटार्च या चीनी) से बना होता है।

प्लेसबो प्रभाव (Placebo Effect):

- कभी-कभी किसी रोगी में प्लेसबो के कारण एक सकारात्मक या नकारात्मक प्रतिक्रिया हो सकती है। उदाहरण के लिये रोगी के लक्षणों में सुधार हो सकता है या रोगी में उपचार से होने वाले दुष्प्रभाव भी दखाई दे सकते हैं। इन प्रतिक्रियाओं को 'प्लेसबो प्रभाव' (Placebo Effect) के रूप में जाना जाता है।
- कुछ स्थितियों ऐसी होती हैं जनिमें प्लेसबो सकारात्मक परिणाम उत्पन्न कर सकता है जबकि व्यक्ति को यह पता भी नहीं होता है कि वह वास्तविक दवा के स्थान पर एक प्लेसबो ले रहा है।
- वभिनिन अध्ययनों से पता चलता है कि प्लेसबो मानव की वभिनिन स्थितियों जैसे- डिप्रेशन, दर्द, नींद संबंधी विकार, आंत की संवेदनशील बीमारी, रजोनवृत्ति (Menopause) आदि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

मशन सागर

Mission Sagar

'मशन सागर' (Mission Sagar) के अंतर्गत दक्षिणी हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात किया गया भारतीय नौसेना का एक जहाज आईएनएस केसरी (INS Kesari) 55 दिनों के बाद कोच्चि (केरल) पहुँचा।

प्रमुख बट्टि:

आईएनएस केसरी (INS Kesari) को एक विशेष 'COVID राहत मशन' (Covid Relief Mission) के लिये तैनात किया गया था और इस मशन के अंतर्गत माले (मालदीव), पोर्ट लुइस (मॉरीशस), एंटसरिनाना (मेडागास्कर), मोरोनी (कोमोरोस आइलैंड्स) एवं पोर्ट वक्टीरिया (सेशलस) में 580 टन खाद्य सहायता एवं आवश्यक मेडिकल वस्तुएँ भेजी गयी थी।

आईएनएस केसरी (INS Kesari):

- आईएनएस केसरी भारतीय नौसेना का एक शार्दुल-श्रेणी (Shardul-Class) का टैंक लैंडिंग जहाज है।
- वर्ष 2009 में INS केसरी को वशिखापट्टनम के पूर्वी नौसेना कमान से पोर्ट ब्लेयर स्थानांतरित किया गया था।

- गौरतलब है कि यह मशिन प्रधानमंत्री की 'सागर' (Security and Growth for All in the Region -SAGAR) पहल के अनुरूप है जो भारत द्वारा उसके पड़ोसी देशों के साथ संबंधों के महत्त्व को रेखांकित करता है एवं मौजूदा संबंधों को और मज़बूत करता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-30-june-2020>

